



Neutral Citation No. - 2026:AHC:26820-DB

उच्च न्यायालय इलाहाबाद

दाण्डिक प्रकीर्ण रिट याचिका संख्या - 1120/2026

विक्रम सिंहयाचीगण

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 2 अन्यप्रत्यर्थीगण

याचीगण के अधिवक्ता: शिवांगी राय, सुजीत कुमार राय

प्रत्यर्थीगण के अधिवक्ता: जी.ए.

न्यायालय संख्या - 45

माननीय राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति

माननीय अचल सचदेव, न्यायमूर्ति

1. याची के विद्वान अधिवक्ता, राज्य के विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता (ए.जी.ए.) को सुना तथा मामले के अभिलेख का अवलोकन किया।
2. वर्तमान रिट याचिका याची द्वारा थाना सरधना, जनपद मेरठ में भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.), 2023 की धारा 318(4), 316(2), 338, 336(3) के अंतर्गत दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 0851/2025 के फरस्वरूप हुई प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 13.12.2025 को खंडित करने की प्रार्थना के साथ दायर की गई है।
3. याची के विद्वान अधिवक्ता ने तर्क दिया है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों से, प्रथम दृष्टया याची के विरुद्ध शिकायत किए गए किसी भी अपराध का खुलासा नहीं होता है और इस प्रकार, आक्षेपित प्रथम सूचना रिपोर्ट खंडित किए जाने योग्य है।
4. इसके विपरीत, विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता ने तर्क दिया है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों से याची के विरुद्ध प्रथम दृष्टया अपराध स्पष्ट रूप से प्रकट होता है, इसलिए 'तेलंगाना राज्य बनाम हबीब अब्दुल्ला जिलानी', जो (2017) 2 एससीसी 779 में रिपोर्ट किया गया है, 'नीहारिका इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य', जो (2021) एससीसी ऑनलाइन एससी 315 में रिपोर्ट किया गया है, और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय दाण्डिक अपील संख्या 843/2024, 'प्रवर्तन निदेशालय बनाम नीरज त्यागी एवं अन्य' के मामलों में प्रतिपादित कानून के आलोक में आक्षेपित प्रथम सूचना रिपोर्ट को खंडित नहीं किया जा सकता है।
5. पक्षकारों के विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा किए गए परस्पर विरोधी तर्कों पर विचार करने के बाद तथा प्रथम सूचना रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों और विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता द्वारा उद्धृत प्रासंगिक कानून तथा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि आक्षेपित प्रथम सूचना रिपोर्ट याची के विरुद्ध संज्ञेय अपराध का खुलासा करती है, हमारी यह राय है कि आक्षेपित प्रथम

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



सूचना रिपोर्ट को खंडित नहीं किया जा सकता है, इसलिए प्रथम सूचना रिपोर्ट को खंडित करने की प्रार्थना अस्वीकार की जाती है।

6. तथापि, यदि याची उचित न्यायालय के समक्ष अग्रिम जमानत/नियमित जमानत के लिए आवेदन करता है, तो उसके जमानत आवेदन पर कानून के अनुसार यथासंभव शीघ्रता से विचार कर निस्तारण किया जाए।
7. उपर्युक्त टिप्पणियों के साथ, वर्तमान रिट याचिका अंतिम रूप से निस्तारित की जाती है।

(अचल सचदेव, न्यायमूर्ति) (राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति)

6 फरवरी, 2026

वी.के.जी.

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"